'मलिट्स एग्री एक्सपो तथा राइजगि हरयिाणा' वषिय पर तीन दविसीय कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

7 अप्रैल, 2023 को हरयिाणा के कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल नेयहाँ एक मीडयिा समूह द्वारा 'मलिट्स एग्री एक्सपो तथा राइजगि हरयिाणा'वषिय पर आयोजति तीन दविसीय कार्यक्रम का द्वीप प्रज्जवलति कर उद्घाटन कयिा।

प्रमुख बदिु

- एक्सपो में कसिानों के लयि कृषि की अत्याधुनकि तकनीकों पर 3 दनि तक मंथन कयिा जाएगा।
- इस अवसर पर कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने प्रगतशिील कसिानों को कसिान रत्न पुरस्कार देकर सम्मानति भी कयिा।
- कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक आहार वर्ष के रूप में घोषति कयिा है। जलवायु परविर्तन, भोजन, पोषण और आजीवकिा तथा गरीबी के खलिाफ लड़ाई में बाजरा और ज्वार जैसे पोषक अनाज से अपार संभावनाएँ हैं। यह गेहूँ और चावल की तुलना में जलवायु परविर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करता है।
- उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2018-19 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन के तहत राज्य में बाजरा को पोषक आहार के रूप में बढ़ावा दे रही है। हरयिाणा में बाजरा लगभग 10 लाख एकड़ से 12 लाख एकड़ के क्षेत्र में उगाया जाता है, जसिकी अनुमानति उपज 800 कलिोग्राम प्रति एकड़ तथा उत्पादन 12 लाख मीट्रकि टन होता है। इसके अलावा, ज्वार को लगभग 0.60 लाख एकड़ से 1.10 लाख एकड़ के क्षेत्र में उगाया जाता है।
- इनके अनेक स्वास्थ्य लाभों को देखते हुए अब लोगों ने इसे अपने आहार में शामलि करना शुरू कर दयिा है। राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन के तहत ज्वार को बढ़ावा देने के लयि कसिानों को अनुदान दयिा जा रहा है।
- कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री ने कहा कि इस संदर्भ में होने जा रही 'मलिट्स कॉन्फ्रेंस' एक महत्त्वपूर्ण पहल है। इसमें मलिट्स की खेती, उससे जुड़ी अर्थव्यवस्था, हेल्थ पर उसके प्रभाव, कसिानों की आय, जैसे अनेक वषियों पर चर्चा होगी।
- वदिति है कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजति जी-20 कार्यक्रम के दौरान आए हुए वदिशी मेहमानों को भी मलिट्स से तैयार कयिा भोजन खलिाया गया जसिकी प्रतनिधिमिंडल ने भी सराहना की थी।
- राज्य सरकार द्वारा वभिन्नि ज़लिों में भी अंतर्राष्ट्रीय पोषक आहार वर्ष -2023 के अंर्तगत ज़लिा व ग्राम स्तरीय मासकि कार्यक्रम आयोजति कयि जा रहे हैं, जसिमें कसिानों को पोषक आहार के प्रति जागरूक कयिा जा रहा है। इसके अलावा, उन्हें पोषक आहार को भोजन में सम्मलिति करने से होने वाले कई तरह के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी भी दी जा रही है।
- पोषक आहार केवल पौष्टकि ही नहीं होते बल्कि, उन्हें शुष्क भूमि व कम वर्षा में भी आसानी से उगाया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा बाजरा और ज्वार को बढ़ावा देने के लयि अनेक पहलें की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय पोषक आहार वर्ष-2023 को जन आंदोलन बनाने के लयि कृषि विभाग द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार कयिा जा रहा है ।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/three-day-program-on-millets-agri-expo-and-rising-haryana